

AI-जनति कार्य एवं कॉपीराइट स्वामित्व

प्रलिस के लयि:

[कृत्रमि बुद्धमित्ता](#), [कॉपीराइट उल्लंघन](#), [ChatGPT](#)

मेन्स के लयि:

कॉपीराइट उल्लंघन और कृत्रमि बुद्धमित्ता के बीच अंतरवरीध का प्रभाव, कृत्रमि बुद्धमित्ता जनति कार्यों के संदर्भ में उचित और परविरतनकारी उपयोग

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [कृत्रमि बुद्धमित्ता](#) (Artificial Intelligence- AI) के संदर्भ में कॉपीराइट उल्लंघन के मुद्दे ने काफी ध्यान आकर्षित किया है, साथ ही आवश्यक चर्चाओं को जन्म दिया है।

- इस अंतरवरीध का एक प्रसिद्ध उदाहरण एंडी वारहोल फाउंडेशन और लनि गोलडस्मथि के गायक प्रसि के चित्र के बीच संबंध है।
 - विवाद इस बात पर केंद्रित है कि क्या वारहोल द्वारा छविके अन्य संस्करणों को उत्पन्न करने हेतु छविका उपयोग उचित रुप से किया गया है या यह [कॉपीराइट उल्लंघन](#) है।

कॉपीराइट उल्लंघन और AI के बीच संबंध:

- **कॉपीराइट सामग्री का प्रशिक्षण डेटा के रूप में उपयोग:**
 - अपने एल्गोरिदम को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षित करने के लिये [चैटजीपीटी](#) (ChatGPT) जैसे AI सिस्टम को प्रायः व्यापक मात्रा में डेटा की आवश्यकता होती है।
 - इसमें [कॉपीराइट सामग्री](#) जैसे चित्र, टेक्स्ट/लेख और संगीत शामिल हैं, जो कॉपीराइट के उल्लंघन जैसी चिंताओं को बढ़ा सकते हैं।
- AI तकनीकों का उपयोग मौजूदा कॉपीराइट किये गए कार्यों की प्रतकृति बनाने या नकल करने के लिये किया जा सकता है। एल्गोरिदम ऐसी सामग्री का विश्लेषण और नरिमाण कर सकते हैं जो संरक्षित कार्यों से काफी हद तक मलिती-जुलती है, यह इस तरह की प्रतकृति की वैधता और नैतिक नहितार्थों पर प्रश्नचहिन लगाता है।
- **उचित और परविरतनकारी उपयोग:**
 - उचित उपयोग या फेयर यूज़ अमेरिका का एक कानूनी सिद्धांत है (जैसा कि हाल ही में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा माना गया) जो कुछ परस्थितियों में बनि अनुमति के भी कॉपीराइट सामग्री के सीमति उपयोग की अनुमति देता है।
 - यह नरिधारित करने के लिये कि AI-जनति कार्य फेयर यूज़ हेतु योग्य है अथवा नहीं, उसके उपयोग के उद्देश्य, प्रकृति, मात्रा और प्रभाव जैसे कारकों पर वचिर किये जाना आवश्यक है।
 - प्रायः **परविरतनकारी उपयोग (Transformative use)** को फेयर यूज़ एनालिसिस का एक महत्वपूर्ण कारक माना जाता है, जिसमें कॉपीराइट किये गए कार्य में नए अर्थ या अभिव्यक्ति को जोड़ना शामिल है।
- **दायित्व और उत्तरदायित्व:**
 - AI-जनति कार्यों में कॉपीराइट उल्लंघन के लिये दायित्व नरिधारित करना जटलि हो सकता है, जिसमें AI डेवलपरस, उपयोगकर्त्ताओं और स्वयं कृत्रमि बुद्धमित्ता की भूमिका के वषिय में प्रश्न शामिल हैं।
 - कॉपीराइट कानून का अनुपालन सुनिश्चित करने की ज़मिमेदारी **AI-जनति कार्यों के नरिमाता और उपयोगकर्त्ता** दोनों की है।
 - यदि AI प्रणाली मानव हस्तक्षेप के बनि काम करती है, तो सही कॉपीराइट स्वामी का नरिधारण करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

भारत में AI-जनति कंटेंट की वर्तमान कानूनी स्थिति:

- भारतीय कॉपीराइट अधिनियम, 1957 और पेटेंट अधिनियम, 1970 कॉपीराइट उल्लंघन हेतु उचित व्यवहार एवं प्रगति अपवादों के लिये वशिष्ट प्रावधान करता है।

- AI मॉडल के प्रशिक्षण के लिये कॉपीराइट सामग्री का उपयोग **कानूनी ग्रे सूची** में रखा जाता है।
 - जैसा कि **कॉपीराइट कानून AI द्वारा पूरी तरह से उत्पन्न किसी भी रचना की रक्षा नहीं करते** हैं, भले ही यह मानव-निरमिति पाठ संकेतक से उपजी हो।
- कॉपीराइट और AI पर हाल ही में अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय के नरिणय जैसे अंतरराष्ट्रीय न्यायालयों एवं अन्य न्यायालय के अवलोकन और फैसले, **भारतीय कॉपीराइट कानून में नषिपक्षता की व्याख्या को प्रभावित** कर सकते हैं।
- भारतीय कॉपीराइट कानून और उचित उपयोग प्रावधानों को **AI-जनित सामग्री द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का समाधान** करने के लिये अनुकूलित करने की आवश्यकता होगी।

आगे की राह

- कानूनी उदाहरणों की कमी के बावजूद सविकि चंद्रन बनाम सी. अम्मनी अम्मा (1996) के मामले में केरल उच्च न्यायालय द्वारा नरिधारित फोर फैक्टर टेस्ट (अर्थात् चार कारकों के आधार पर परीक्षण) इस बात का नरिधारण करने में उपयोगी सिद्ध हो सकता है कि किसी उपयोग को फेयर यूज़ माना जाए अथवा नहीं। यह अमेरिका के फेयर यूज़ सिद्धांत के फोर फैक्टर टेस्ट के समान ही है। ये फैक्टर/कारक हैं:
 - **उपयोग का उद्देश्य**, जिसमें इस बात को शामिल किया गया है कि AI द्वारा उत्पादित सामग्री का उपयोग **व्यावसायिक या गैर-लाभकारी शैक्षिक उद्देश्यों के लिये है अथवा नहीं**।
 - कॉपीराइट कार्य की **प्रकृति (Nature)**।
 - संपूर्ण कॉपीराइट किये गए कार्य की तुलना में **उपयोग किये गए हिस्से की मात्रा और पर्याप्तता**।
 - **संभावित बाज़ार या कॉपीराइट किये गए कार्य के मूल्य/महत्त्व** पर इसके उपयोग का प्रभाव।
- **AI प्रौद्योगिकी में प्रगतिके साथ कदम-कदम से कदम मलाने के लिये बौद्धिक संपदा कानूनों को अपडेट किया जाना चाहिये**।
 - AI परियोजनाओं के लिये नरिक्षण एवं **अनुपालन तंत्र के साथ डेटा उपयोग और शासन नीतियों को लागू किया जाना चाहिये**।
 - AI फर्मों के लिये अनिवार्य किया जाना चाहिये कि वे **कॉपीराइट सुरक्षा, ऑडिट और आकलन के लिये ज़िम्मेदार अनुपालन अधिकारियों को नियुक्त करें**।
- कॉपीराइट उल्लंघन और AI के बीच अंतःप्रतच्छेदन का प्रभाव AI प्रौद्योगिकी के विकास एवं इसके संभावित अनुप्रयोगों पर पड़ सकता है। कॉपीराइट मालिकों के अधिकारों की रक्षा और AI के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के बीच संतुलन स्थापित करना इस क्षेत्र के विकास व उन्नति के लिये आवश्यक है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

[?/?/?/?/?]:

प्रश्न. वैश्वीकृत संसार में, बौद्धिक संपदा अधिकारों का महत्त्व हो जाता है और वे मुकदमेबाज़ी का एक स्रोत हो जाते हैं। कॉपीराइट, पेटेंट और व्यापार गुप्तियों के बीच मोटे तौर पर वभिदन कीजिये। (2014)

स्रोत: द हट्टि